Social Justice

28 NOV 11:30 AM

मुख्य परीक्षा

प्रश्न– मानवाधिकार से क्या अभिप्राय है? भारतीय संविधान में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उल्लिखित मानवाधिकार संगठनों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए। साथ ही यह भी बताइये कि मानवाधिकार के संरक्षण से उदारवादी तथा गाँधीवादी विचारधारा किस प्रकार से संबंधित हैं?

(250 शब्द)

What is meant by human rights? Discuss the human rights organizations directly or indirectly mentioned in Indian Constitution. Along with it also elucidate how liberal and gandhian Phiosophy are related to the protection of human rights.

(250 Words)

मॉडल उत्तर

- भूमिका में मानवाधिकार को परिभाषित कीजिए:–

फिर भारतीय संविधान में उल्लिखित संगठनों को बताइये जो मानवाधिकार से सम्बंधित हो–

1. **अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति आयोग:**– यह एक संवैधानिक निकाय है अनुसूचित जाति आयोग को संविधान में अनुच्छेद–338 में तथा अनुसूचित जनजाति आयोग अनुच्छेद–338 (क) में उल्लिखित है, इसके माध्यम से मुख्य रूप से अनुसूचित जाति/जनजाति के मानवाधिकारों की सुरक्षा की जाती है।
2. **राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग:**– यह आयोग गैर संवैधानिक निकाय है इसका कार्य प्रत्येक व्यक्ति के मानवाधिकारो की सुरक्षा करना है।
3. **राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग:**– यह भी गैर संवैधानिक निकाय है जिसका मुख्य कार्य अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारों की रक्षा करना है।
4. **राष्ट्रीय महिला आयोग:**– यह भी गैर संवैधानिक संस्था हैं। इसका मुख्य कार्य महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा करना है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त मानवाधिकार से जुड़े कई संस्थान हैं, जैसे– बाल अधिकारों का संरक्षण आयोग पिछड़ा वर्ग आयोग आदि।

फिर मानवाधिकारों के संरक्षण से सम्बंधित विचारधारा को बताइये–

1. **उदारवादी विचारधारा:**– यह विचारधारा राज्य पर अधिक निर्भर है। यह मानती है कि राज्य विवेकवान है और न्यायप्रिय है। अर्थात मानवाधिकार हनन का मुद्दा राज्य के संज्ञान में ला दिया जाये तो राज्य इसे रोकने का प्रयास करते हैं।
2. **गांधीवादी दृष्टिकोण:**– इसका मानना है, कि मानवाधिकार का हनन करने वाले व्यक्ति या संस्था का हृदय परिवर्तन करके मानवाधिकार को संरक्षित किया जा सकता है।

- अंत में संक्षिप्त एवं संतुलित निष्कर्ष दीजिए।